सी.एम. ने प्रस्तावित कृष्ण गमन पथ और जयपुर चारदीवारी के हैरिटेज विकास के बारे में चर्चा की

- मुख्यमंत्री ने की पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग की समीक्षा
- 'पर्यटन सुविधाओं को विकसित करते हुए राजस्व वृद्धि के कार्यों में लाएं गति'
- 'राजस्थान पर्यटन विकास निगम की सम्पत्तियों की हो प्रभावी निगरानी'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, जैसलमेर में फॉसिल पार्क एवं ओपन रॉक्स म्यूजियम, चित्तौडगढ़ और आमेर में लाइट एण्ड साउण्ड शो का उन्नयन, वैर के सफेद महल, प्रताप फुलवारी एवं किले की मरम्मत एवं सौन्दर्यीकरण, रामगढ़ क्रेटर साइट व सांभर झील क्षेत्र को विकसित करने संबंधी कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने प्रस्तावित कृष्ण गमन पथ एवं जयपुर चारदीवारी के हैरिटेज विकास के लिए 100 करोड़ रुपये से संबंधित कार्ययोजना के बारे में विस्तृत चर्चा भी की।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों का वर्गीकरण करते हुए उच्च प्राथमिकताओं के उन कार्यों को त्वरित निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं, जहां पर्यटकों की आवक ज्यादा है और राज्य सरकार के राजस्व में भी वृद्धि अपेक्षित है।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को प्रभावी ब्रान्डिंग करते हुए पर्यटन स्थलों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा पर्यटक यहां आए। उन्होंने महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों तथा मेलों उत्सवों की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक से अधिक मार्केटिंग करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पर्यटन कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 2 वर्षों के अन्दर 20 हजार युवाओं एवं लोक-कलाकारों को पारम्परिक कला एंव आतिथ्य संबंधी प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग के अधिकारी प्रदेश के प्राचीन स्मारकों और पेनोरमा को अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश एवं गुजरात स्थित स्मारकों का दौरा कर नवाचार एवं आदर्श गतिविधियों का अनुसरण करें। इससे पर्यटकों का ठहराव होगा और क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को राजस्थान की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत से रूबरू कराने के लिए कार्य योजना बनाई जाए। जिला स्तर पर स्कूली विद्यार्थियों को क्षेत्रीय स्मारकों पर नियमित यात्राएं करवाई जाए। उन्होंने राजस्थान पर्यटन विकास निगम की सम्पत्तियों की प्रभावी निगरानी करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बजट में पर्यटन से संबंधित की गई सभी घोषणाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर उन्हें समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में जल्द ही नवीन पर्यटन नीति लाई जाएगी। इससे राज्य में पर्यटन की गति को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाएं विकसित होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में इको, रूरल, हैरिटेज एवं एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पर्यटन विकास बोर्ड का गठन भी किया जा रहा है। पर्यटन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन का 5.6 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने बताया कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत पर्यटन विभाग द्वारा एमओयू हस्ताक्षिरत किए गए हैं, जिससे युवाओं के लिए बड़ी तादाद में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

बैठक में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले देश की संस्कृति के गौरव : हरिभाऊ बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरूवार को तृतीय पद्म फेस्टिवल का उद्घाटन किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि मानव जीवन महत्वपूर्ण नहीं होता है, महत्वपूर्ण यह होता है कि मनुष्य उसे किस प्रकार आदर्श रूप में जीता है। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हें ही मिलती हैं जो निरंतर मेहनत करते हैं। देश की संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास के लिए कार्य करने वाले ही पूज्य होते हैं। उन्होंने पद्म पुरस्कारों की चर्चा करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में यह इसलिए प्रदान किए जाते हैं कि इन्हें पाने वालों से प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी उत्कर्ष जीवन की ओर आगे बढ़ सकें।

राज्यपाल बागडे गुरुवार को छत्रपति संभाजी नगर में ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन द्वारा आयोजित तृतीय पद्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती कविता पंक्तियां सुनाते हुए कहा कि जीत उन्हीं की होती है जो निरंतर प्रयास करते हैं। उन्होंने युवाओं को विकसित भारत के लिए निरंतर कार्य करने का आव्हान किया। उन्होने कहा कि यह बहुत अच्छी पहल है कि कोई फाउण्डेशन पद्म पुरस्कार पाने वालों के संवाद कार्यक्रम कर उनसे युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने की पहल कर रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन में ज्ञान का यज्ञ ही सबसे महत्वपूर्ण है।

बागडे ने कहा कि संस्कृति का अर्थ ही होता है-निरंतर जो परिवर्तन को लेकर चले। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। भारतीय संस्कृति इसीलिए विश्व भर में आज भी अपनी पहचान बनाए हुए कि इसमें नए परिवर्तनों को साथ लेकर चलने की क्षमता है। इसमें संस्कारों की सुगंध समाई हुई है।

आरंभ में उन्होंने पद्म पुरस्कार पाने वालों का अभिनंदन करते हुए ज्ञान फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर फाउण्डेशन के उमेश टाकळकर ने स्वागत उद्बोधन दिया। अध्यक्षीय भाषण श्री मिलिन्द केलकर ने देते हुए ज्ञानयज्ञ द्वारा पद्म पुरस्कार संवाद को महत्वपूर्ण बताया।

ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन की निदेशक वत्सला देशपांडे और श्री अजय देशपांडे ने बताया कि फाउंडेशन के अंतर्गत इस बार 13 पद्म पुरस्कार प्राप्त हस्तियों के 13 संवाद सत्र रखे गए हैं। इनके अंतर्गत उनके ज्ञान से दूसरों को भी प्रेरणा मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव पर देश की संस्कृति और कलाओं पर कार्य करने के अंतर्गत यह तीसरा पद्मत उत्सव आयोजित किया गया है।

राजस्थान के खेतों में कहीं फसल अवशेष जलाये गए तो थानाधिकारी होंगे जिम्मेदार

- दिल्ली एन.सी.आर. में वायु प्रदूषण के बिगड़े हालातों के बाद ए.डी.जी. दिनेश एम.एन. ने जयपुर-जोधपुर पुलिस कमिश्नर और सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को चेताया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण को गंभीरता से लेते हुए अब राजस्थान में भी पराली (फसल अवशेष) जलाने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। हालांकि राज्य सरकार ने इस संबंध में पूर्व में भी आदेश जारी कर रखा है लेकिन अब दिल्ली में प्रदूषण के कारण बिगड़ते हालातों को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस अधीक्षकों को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एम.एन. ने जयपुर-जोधपुर पुलिस कमिश्नर और सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर राजस्थान में पराली नहीं जलाये जाना सुनिश्चित करने के लिये कहा है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली एनसीआर क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के कारण हालात बिगड़े हुए हैं। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में भी इसे गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया है।

दिनेश एम.एन. ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने रिट पिटीशन (शिविर) सं.13029/1985 एम.सी.मेहता बनाम भारत संघ व अन्य विचाराधीन है। इस याचिका में 7 नवम्बर 2023 को आदेशित किया गया है कि "दिल्ली से सटे हुए राज्यों पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और दिल्ली की राज्य सरकारें यह सुनिश्चित करें कि कहीं पर भी फसल अवशेष (पराली) नहीं जलाई जाये। इन सभी राज्यों के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के सुपरविजन में इसकी रोकथाम की निगरानी हो। अगर कहीं पर पराली जलाये जाने का मामला सामने आता है तो इसके लिये स्थानीय एस.एच.ओ. जिम्मेदार होगा।"

दिनेश एम.एन. ने कहा कि पूर्व में 8 नवम्बर 2023 को गृह (विधि) विभाग के शासन सचिव ने राज्य के सभी पुलिस थाना अधिकारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में फसल अवशेष नहीं जलाये जाने की सुनिश्चितता के आदेश दिये थे। इस आदेश में साफ कहा गया था कि अगर कहीं पर इस तरह की घटना घटित होती है तो इसके लिये थानाधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे और उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

दिनेश एम.एन .ने कहा कि राज्य के सभी जिला कलेक्टरों द्वारा पराली को खेत में जलाने की प्रवत्ति की प्रभावी रोकथाम और पराली के उचित प्रबंधन के लिये उपखंड अधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी गठन किया जा रहा है जिसमें संबंधित उप पुलिस अधीक्षक, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार सदस्य होंगे और सहायक कृषि अधिकारी संयोजक है।

सतर्कता शाखा ने हटाए अतिक्रमण

जयपुर। हैरिटेज निगम की सतर्कता शाखा ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 35 जगहों से अस्थाई अतिक्रमण को हटा दिया। इस दौरान शाखा के दस्ते ने 15 ट्रक माल भी जब्त किया है। इस संबंध में उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव और आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर क्षेत्र में लगातार अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। गुरुवार को हसनपुरा, रेलवे स्टेशन, रामगंज, त्रिपोलिया, चौड़ा रास्ता से अस्थाई अतिक्रमण को हटा दिया है।

प्रद्युमन कुमार और गुरजंट सिंह बराड़ का निधन भाजपा के लिए अपूरणीय क्षति : राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ गुरूवार को श्रीगंगानगर प्रवास पर रहे। इस दौरान राठौड़ ने सादुल शहर स्थित भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक प्रद्युमन कुमार के आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य, किसान नेता एवं पूर्व मंत्री सरदार गुरजंट सिंह बराड़ के निधन पर उनके आवास पर पहुंच कर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवारजनों को ढांढस बंधाया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वरिष्ठ प्रचारक प्रद्युमन कुमार ने राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचारक और हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश में संगठन मंत्री के रूप में संगठन को मजबूती प्रदान की। प्रद्युमन कुमार जी ने संगठन को मजबूती प्रदान करने के साथ विस्तार में भी उल्लेखनीय योगदान प्रदान किया था। वरिष्ठ प्रचारक प्रद्युमन कुमार और पूर्व मंत्री सरदार गुरजंट सिंह बराड का निधन भारतीय जनता पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। दु:ख की इस घड़ी में मैं स्वयं एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से गहरी संवेदना प्रकट करता हूँ। इसके साथ ही भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को धैर्य और साहस प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनिया, भाजपा एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, स्थानीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऊष्ट्र संरक्षण योजना में आर्थिक सहायता के लिए आधार व जनआधार जरूरी

- राजय सरकार ने जारी की अधिसूचना

जयपुर । राज्य सरकार द्वारा ऊष्ट्र संरक्षण योजना के तहत डीबीटी को आधार और जन-आधार से जोड़ने के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। पशुपालन और गोपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा वर्तमान में ऊंटों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए ऊष्ट्र संरक्षण योजना का संचालन किया जा रहा है, जिसमें टोडियों के जन्म पर उनके पालन पोषण के लिए प्रोत्साहन स्वरूप ऊष्ट्र पालकों को दो किश्तों में 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है।

उन्होंने बताया कि इस अधिसूचना के जारी होने से अब योग्य ऊष्ट्र पालकों को इस योजना का लाभ लेने के लिए अपना आधार और जन-आधार संख्या होने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जिससे उनके बैंक खातों में पारदर्शिता एवं सुगमता के साथ राशि हस्तांतरित की जा सकेगी। इससे योजना में पारदर्शिता आएगी और ऊष्ट्र पालकों को उनकी सहायता राशि सरल और निर्बाध तरीके से सीधे प्राप्त हो सकेगी। साथ ही योजना के तहत आवेदन करते समय कई तरह के पहचान पत्र व अन्य दस्तावेज अपलोड करने की भी बाध्यता नहीं होगी। डॉ. शर्मा ने बताया कि योजना के तहत लाभार्थियों को सुविधाजनक रूप से लाभ मिल सके इसके लिए लाभार्थियों को इसके बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न माध्यमों से उन तक सूचना पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से लाभार्थियों को समय पर आर्थिक लाभ मिलने के साथ साथ विभाग के काम में भी आसानी होगी तथा दक्षता आएगी।

ओला बाइक चालक से छीन ले गए मोबाइल

जयपुर। गांधी नगर थाना इलाके में ओला बाइक चालक को एक युवक को उसके गतव्य तक छोड़ने से मना करना भारी पड़ गया। आरोपी उससे मोबाइल छीनकर ले गया। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार लालरपुरा सिरसी रोड निवासी सुरेश भाम्बी ने मामला दर्ज करवाया कि वह ओला बाइक चलाता है। वह एक सवारी लेकर 19 नवम्बर की रात करीब साढ़े दस बजे झालाना आया था। वापस लौटने के दौरान केंद्रीय विद्यालय के पास एक युवक ने उसे रोका और कहा कि उसे झालाना के अंदर छोडना है। इस पर बाइक चालक ने उसे मना कर दिया। इसके बाद बदमाश ने उसके साथ हाथापाई की।

ग्रामीण विकास की समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हुए किरोड़ी लाल

- मुख्यमंत्री ने ली समीक्षा बैठक, भजनलाल कैबिनेट में ग्रामीण विकास मंत्री हैं किरोड़ी

जयपुर। विधानसभा उप चुनावों में भाई को टिकट मिलने के बाद भी किरोड़ीलाल मीणा की नाराज़गी अभी तक दूर नहीं हुई है। शायद यहीं वज़ह है कि किरोड़ीलाल मीणा आज ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हुए।

दरअसल, आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमओ में ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली थी। लेकिन ग्रामीण विकास मंत्री के नाते किरोड़ी बैठक में शामिल नहीं हुए। उनकी जगह ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी बैठक में मौजूद रहे।

आपको बता दे कि लोकसभा चुनाव में दौसा सीट हारने के बाद किरोड़ी ने जयपुर में 4 जुलाई को इस्तीफा देने की सार्वजनिक घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने 8 जून और 25 जून को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को इस्तीफा भेजा था। लेकिन उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ। जिसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री को इस्तीफा मेल कर दिया।

मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने सरकारी गाड़ी भी छोड़ दी थी। वहीं कैबिनेट बैठक में भी शामिल नहीं हो रहे थे। हालांकि किरोड़ी 28 सितम्बर को कैबिनेट बैठक में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा था कि वे केवल प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के कहने पर बैठक में आए हैं। वे बैठक में भी मंत्री के नाते नहीं, बल्कि विधायक की हैसियत से ही शामिल हुए हैं। वही उपचुनावों के दौरान कृषि विभाग की ओर से जारी प्रेस नोट में भी डॉ किरोड़ी लाल मीणा का नाम मंत्री के रुप में जा रहा था।

किरोड़ीलाल मीणा आज अपने विधानसभा क्षेत्र सवाईमाधोपुर में रहे। इस दौरान वे एसपी के आवास पर पहुंचे। यहां एसपी की गैर मौजूदगी में उन्होने एसपी आवास पर आए ग्रामीणों की जनसुवाई भी की। दरअसल, आज सुबह खिरनी गांव से कुछ ग्रामीण अतिक्रमण की शिकायत लेकर किरोड़ीलाल मीणा से मिलने पहुंचे थे। जिस पर किरोड़ी ग्रामीणों को साथ लेकर एसपी आवास पहुंचे। लेकिन एसपी ममता गुप्ता आधिकारिक काम से भरतपुर गई हुई थी। किरोड़ी ने उनसे फोन पर ही बात की। सवाईमाधोपुर से किरोड़ी दोपहर बाद दौसा के लालसोट आ गए। लेकिन वे जयपुर नहीं आए।

जयपुर में महिला चोर गिरोह सक्रिय

जयपुर। शहर में महिला गिरोह सक्रिय है जो कि मौका देखकर सफर के दौरान आमजन का सबसे कीमती सामान पार कर लेता है। शहर में ऐसी दो वारदातें सामने आई है, जिसमें महिला गिरोह ने एक महिला व पुरूष से कीमती सामान पार कर लिया। कालवाड़ थाना इलाके में ई रिक्शा में सफर के दौरान किसी ने एक महिला का बैग में से सामान पार कर लिया। सफर के दौरान ई रिक्शा में अन्य महिलाएं भी सवार थी।

पुलिस के अनुसार सूर्य नगर गोकुलपुरा निवासी रमेश चंद ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी भाभी गोविंदपुरा से ई रिक्शा में सवार होकर घर लौट रही थी। घर पहुंच कर जब उसने बैग संभाला तो बैग में रखा कीमती सामान पार हो गया। इस पर पीडिता ने परिजनों को सारी घटना बताई।

संतों को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए : ज्ञानदेव आहूजा

- जगद्गुरु रामभद्राचार्य के बयान पर पूर्व विधायक आहूजा का बयान

जयपुर। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने जातिगत आरक्षण को समाप्त करने का बयान देकर इस मुद्दे पर छिड़ी बहस को और बढ़ा दिया है। रामभद्राचार्य के बयान के बाद जहां आरक्षित वर्ग आंदोलन कर रहा है, वहीं दूसरी ओर रामभद्राचार्य के इस बयान का भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने कड़ा विरोध किया है। आहूजा ने संत रामभद्राचार्य को सलाह दी कि वे इस तरह के बयानों से बचें। साथ ही आहूजा ने अधिकारियों-कर्मचारियों को लेकर नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल के बयान का भी समर्थन किया।

पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने कहा कि देश की 70 फीसदी आबादी को आज भी आरक्षण की जरूरत है। जातिगत आरक्षण अभी समाप्त नहीं होना चाहिए। जहां तक बात रामभद्राचार्य के जातिगत आरक्षण को लेकर दिए बयान की है, मैं इस बयान को सही नहीं मानता हूं। साधु संतों को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए।

उधर, एसडीएम थप्पड़ कांड के बाद पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने हनुमान बेनीवाल के उस बयान का भी समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने नरेश मीणा द्वारा एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मारने की बात का समर्थन किया था। आहूजा ने कहा कि नरेश मीणा ने जो किया, वह किस काल परिस्थिति में किया गया, यह देखने वाली बात है। आखिर किस कारण से उन्हें इस तरह गुस्सा आया और उन्होंने एक अधिकारी को थप्पड़ मारा। आहूजा ने कहा कि बेनीवाल ने जो बयान दिया है वह सही है, क्योंकि मैं खुद भी इस तरह की घटना से पीड़ित रहा हूं। मेरे विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के प्रत्याशी के लिए एक अधिकारी ने पोलिंग बूथ को कैप्चर कर लिया था और जब मैंने इसका विरोध किया तो मेरे साथ में काफी बदतमीजी की गई थी।

देश के 552 कॉलेजों के मूल्यांकन में पतंजलि का टॉप 20 में शामिल होना गौरव की बात : आचार्य बालकृष्ण

- न.सी.आई.एस.एम. ने देशभर के 552 आयुर्वेद कॉलेजों की रैटिंग जारी की, जिसमें पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज "ए ग्रेड" के साथ टॉप-20 में शामिल हुआ
- उत्तराखण्ड में "ए ग्रेड" प्राप्त करने वाला पतंजलि एकमात्र आयुर्वेद शिक्षण संस्थान : आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार (कासं)। पतंजलि योगपीठ योग और आयुर्वेद की पुनर्स्थापना के लिए विश्वविख्यात है, इसके साथ ही आयुष शिक्षा के क्षेत्र में भी पतंजलि बड़ा कार्य कर रहा है। हाल ही में नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) ने पूरे देश के आयुर्वेद कॉलेजों की रेटिंग के आँकड़े जारी किए हैं जिनमें पतंजलि भारतीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान (पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज), हरिद्वार को ए ग्रेड के साथ टॉप-20 कॉलेजों में स्थान मिला है।

इसी विषय पर पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने मीडिया से वार्ता करते हुए बताया कि पतंजलि विश्वविद्यालय "ए ग्रेड" प्राप्त शिक्षण संस्थान है। वहीं आयुर्वेद शिक्षा के क्षेत्र में देशभर के 552 आयुर्वेद कॉलेजों में पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय का नाम टॉप 20 कॉलेज में होना आयुर्वेद के क्षेत्र में पतंजलि द्वारा किए जा रहे कार्यों को प्रदर्शित करता है।

उन्होंने कहा कि आज देश में जितने भी आयुर्वेद के शिक्षण संस्थान हैं उनमें पतंजलि का टॉप-20 में होना हमारे लिए गौरव की बात है। पतंजलि के प्रयासों से पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज टॉप-20 में है और यदि उत्तराखण्ड की बात करें तो प्रदेश के कुल 20 आयुर्वेद कॉलेज में पतंजलि एकमात्र ऐसा कॉलेज है जिसे ए ग्रेड प्राप्त है। एक अन्य संस्थान जिसे बी ग्रेड प्राप्त है को छोडकर शेष 6 कॉलेजों को सी ग्रेड से ही संतोष करना पडा है। इनके अलावा अन्य 12 कॉलेज अलग-अलग कारणों से रेटिंग से बाहर हो गए हैं।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि एनसीआईएसएम ने आयुष कॉलेजों का मूल्यांकन अलग-अलग मापदण्डों के आधार पर किया है जिसमें शैक्षिणक गुणवत्ता के साथ-साथ पुस्तकालय, संकाय व चिकित्सकों की संख्या, रोगियों की संख्या, संस्थान में उपलब्ध संसाधन तथा अनुसंधान के लिए पर्याप्त सुविधाएँ, हर्बल गार्डन आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि आयुर्वेद को बढ़ाने और उसे प्रामाणिक चिकित्सा पद्धित का दर्जा दिलाने के लिए हम हर सम्भव प्रयास करेंगे। आयुर्वेद के उत्थान के लिए पतंजलि प्राणपण से संलग्न है, हम इन प्रयासों में गुणात्मक वृद्धि कर आयुर्वेद को तथ्यों व प्रमाणों के आधार पर और बेहतर तरीके से प्रस्तुत करेंगे।

आसाम समिति ने देखी राजस्थान विधान सभा

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से आसाम विधान सभा की अधीनस्थ विधान समिति के सदस्यों ने गुरुवार को विधान सभा में मुलाकात की। समिति ने राजस्थान विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम को भी देखा। देवनानी ने कहा कि संसदीय समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि समिति जितनी सशक्त होगी, उतने ही राज्य सरकार में कार्य प्रभावी तरीके से होंगे। आसाम की समिति में पोकेम बरुच, फेनीघर तालुकदार, अजय कुमार रे, जोलेन डामरी, सिबमौनी वोरा और सुजाम उद्दीन लश्कर शामिल थे। आसाम की समिति के सदस्यों को राजस्थान विधान सभा की सहचर समिति के बारे में उप सचिव नन्द किशोर शर्मा ने विस्तार से जानकारी दी। देवनानी को गुरुवार को यहाँ विधान सभा में चार देशों की यात्रा से लौटने पर उनकी सार्थक और सफल यात्रा के लिये सांसद भजन लाल जाटव, राजस्थान विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक गोविन्द सिंह डोटासरा, हरि मोहन शर्मा, रफिक खान, सुभाष गर्ग सहित अधिकारी एवं कर्मचारी ने शुभकामनाएं दी।

सिंगापुर के दल ने विधानसभा की संसदीय प्रणाली को बारीकी से समझा

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरुवार को सिंगापुर के प्रतिनिधि दल ने शिष्टाचार मुलाकात की। विधान सभा पहुँचने पर सिंगापुर से आये सभी प्रतिनिधियों की अतिथि देवो भव: की परम्परा से तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर अगवानी की। देवनानी ने प्रतिनिधि मंडल नेता वरिष्ठ राज्य मंत्री जेबिल पुथुचेरी को राजस्थान विधान सभा भवन की प्रतिकृति भेंट कर अभिवादन किया।

देवनानी से सिंगापुर प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान विधान सभा की संसदीय प्रणाली की व्यवस्थाओं और सदन संचालन की परम्पराओं को बारीकी से समझा। देवनानी ने सदन की बैठकों, कार्य विन्यास, कार्य सूची, प्रश्नों, पर्ची व्यवस्था, लोक महत्व के विषयों पर स्थगन प्रस्ताव, विधेयकों के पुन: स्थापन आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। देवनानी ने सिंगापुर के प्रतिनिधि मंडल, सिंगापुर विधान मंडल की संसदीय व्यवस्था के विश्लेषण के साथ विभिन्न विधान मंडलों की व्यवस्था को भी बताया। उल्लेखनीय है कि देवनानी हाल ही में आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, इण्डोनेशिया और जापान के विधान मंडलों की अध्ययन यात्रा करके लौटे हैं। दल ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को भी देखा।

देवनानी को प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने बताया कि राजस्थान सुंदर प्रदेश है। यहां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य विस्तार की अपार संभावनाएं है। इस यात्रा से राजस्थान और सिंगापुर को नई दिशा मिलेगी। सिंगापुर से आये दल में वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी, डेसमड टैन कोक मॅग, गेन सियो हुआंग, शॉन हुआंग, जी याओ क्यान, राचेल ऑग, सक्तियादी सुपाट सहित विधायक रुपेन्द्र सिंह कुन्नर, राजस्थान विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, जयपुर जिला कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी और उप सचिव संजीव कुमार शर्मा मौजूद थे।